नकल फैहरिस्त जायदाद गैर मनकूला मिल्कियत दीवान साहब हसबुल हुकूम मोअर्रेखा 27 अप्रैल, 1914 ई. मिस्मूला सरिशता कोर्ट्स ऑफ वार्ड नम्बरी 620 सन् 1925 मुकदमा नम्बर 168 सन् 1924

Compared
Ksumean
16-9-27

मुकदमा मीर मुख्तार अली व मीर मेहरबान अली मुददय्यान

बनाम

दीवान सैय्यद आले रसूल अली खां सज्जादानशीन दरगाह शरीफ, अजमेर, मुददआलय

फैहरिस्त जायदाद गैर मनकूला मिल्कियत दीवान साहब दरगाह शरीफ हसबुल तलब मुरत्तेबा सरिशता कोर्ट्स ऑफ वार्ड्स

S.N. 168/24
EX. D/1
E.D. Mehta
S.J. Ajmer
14-9-27

1. हवेली मौसूमा हवेली दीवान साहब जिसमें भाई, बेटे व मुलाजिम रहते है और उनको सिर्फ हक के रिहायश बशर्त मुलाजमीन हैं। व नीज बाग मुलहिक हवेली

शरकी :– दुकान और सड़क जो दरगाह को ज़ाती है।

गरबी :– रास्ता आम लाखन कोठरी व नला अन्दर कोट को जाता है।

शुमाली :– हवेली श्रवन लाल खजानची

जुनुबी :– नला अन्दर कोट से दरगाह शरीफ

2. खानकाह मिल्कियत दीवान साहब जिसमें मुलाजिमान–ए–दीवान साहब हस्ब इजाजत रहते है।

शरकी :– महफिलखाना दहगाह शरीफ

गरबी :– नला जो अन्दर कोट से आता हैं

True Transcription from URDU TO HINDI Script.
[signature] 04.03.04
SYED ZAHIR AHMAD
Oath Commissioner

SYED ZAHIR AHMAD Oath Commissioner

लगातार 2

शुमाली :— अकबरी मस्जिद व नला जो अन्दर कोट से आता है।

जुनुबी :— कब्रस्तान सौलह खम्बा।

3. सौलह खम्बा व मकबरा ख्वाजा हुसैन साहब व नीज कब्रस्तान अन्दरून—ए—अहाता

शरकी :— जामा मसिजद।

गरबी :— रास्ता झालरा में जान का व दुकान बर लबें नला जो अन्द कोट से से. आता है।

शुमाली :— हवेली ख़ानाकाह।

जुनुबी :— झालरा दरगहा शरीफ़

4. बाग ख़्वाजा हुसैन साहब जिसमें अब कब्रस्तान है। मए शेख बावड़ी।

5. चबतरी पेश—ए—जीन जिसपर सायबान टीन का है और गरदी है।

6. पांच दत बालाई दुकानात लंबे सड़क जो दरगाह शरीफ़ को जाती है। हर सिम्त गरबी।

जनाबआली

हस्बुल हुकूम हुजूर फेहरिस्त जायदाद गौर मनकूला अज किस्म मकानात और जो मै पेश ..... करता हूं जो मोअर्रेखा 25 अप्रैल सन् 1914 दस्तखत मोहम्मद अहसानुल्ला कामदार इलाका दीवान साहब

Certified to be the
True Transcription,
from URDU TO HINDI
Script of the above
document.
04-03-04

SYED ZAHIR AHMAD
Oath Commissioner

SYED ZAHIR AHMAD
Oath
Commissioner
AJMER
04-03-04
ADVOCATE